चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .....दैनिक भास्कर.....
दिनांक ...8.6.2019... पृष्ठ सं. ...6..... कॉलम ...2-6.....

एचएयू में किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स की ओर से आयोजित बैठक में राज्यसभा सदस्य बीरेंद्र सिंह बोले-

तकनीक समझ रहे किसान, मार्केटिंग बताने की जरूरत

किसानों के उत्पाद का सही दाम मिलने और समस्याओं के समाधान के लिए विचार-विमर्श किया

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में शुक्रवार को किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के तत्वावधान में बैठक हुई। इसमें सदस्य राज्यसभा व पूर्व इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह मुख्यातिथि, हाईकोर्ट से रिटायर्ड जज प्रीतम पाल सिंह, कुलपति प्रो. केपी सिंह अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। इस बैठक में किसानों को उनके उत्पाद का सही दाम मिलने व किसानों की समस्याओं का समाधान के लिए विचार-विमर्श किया गया। इसमें एक्सपर्ट ने बताया कि किसान तकनीक तक तो पहुंच रहा है मगर मार्केटिंग की कमी है।

इसके साथ ही कई प्रकार के कानूनों को अपडेट करने की आवश्यकता है। इसमें किसान चेंबर ऑफ कॉमर्स व एसवाईएल हिमाचल निर्माण समिति के सदस्य मुख्य रूप से शामिल रहे।

किसान परम्परागत खेती से बाहर निकलें: बीरेन्द्र

बीरेन्द्र सिंह ने कहा कि किसान को परम्परागत खेती से बाहर निकलकर आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से खेती करने की आवश्यकता है। किसानों ने उत्पाद को बढ़ाने में महारथ हासिल की है लेकिन उसे सही तरीके से बाजार का ज्ञान न होने के कारण सही मूल्य प्राप्त नहीं हो रहा है। इसलिए किसानों को खासतौर पर आजकल के युवाओं को जागरूक बनकर बाजार की बारीकियों को समझते हुए डिजिटल माध्यम से अपने उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त करना चाहिए। इसमें एचएयू द्वारा नव स्थापित एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर जरूर मदद करेगा। उन्होंने कहा कि यह भाखड़ा से हिमाचल के रास्ते हरियाणा में एसवाईएल का पानी लाकर दक्षिण हरियाणा की प्यास बुझाने में सक्षम हो सकता है।

रि. जज प्रीतमपाल बोले- किसानों की मदद के लिए कानून बदलने की जरूरत हो तो ऐसा किया जाए

किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के पैटर्न व रिटायर्ड जज प्रीतमपाल ने कहा कि किसानों की सहायता के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे व इस दिशा में अगर कानूनी प्रावधानों को बदलना भी पड़े तो आवश्यक बदलाव किए जाएं। भारत सरकार द्वारा किसानों के हित में बहुत सारी योजनाओं लागू की गई है किसानों को इसका भरपूर फायदा उठाना चाहिए। लेकिन किसानों को इन योजनाओं का पूरा ज्ञान न होने की वजह से वे लाभ से वंचित रह जाते हैं। वहीं एचएयू के वीसी प्रो. केपी सिंह बोले विश्वविद्यालय द्वारा नवस्थापित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर किसानों के हित के लिए प्रयासरत है। यहां पर एक ही छत के नीचे सारी सुविधाएं जैसे कि नवीन विचार (आइडिया) पर काम करने के लिए जगह, उसको क्रियावृत्त करने के लिए तकनीकी उपकरण व आर्थिक सहायता के लिए चार्टर्ड एकाउंटेंट का उचित मार्गदर्शन आदि सुविधाएं मुहैया करवाई जाएगी।

एचएयू में जीवाणु खाद उत्पादन केन्द्र का हुआ शुभारंभ, यह खेतों में 8 % बढ़ा देगी उत्पादन

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा जन निजी सहभागिता के अंतर्गत हैबिटेट जीनोम इम्प्रूवमेंट प्राइमरी प्रोड्यूशर कम्पनी लिमिटेड (किसान उत्पादन समूह) एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के जीवाणु खाद उत्पादन केन्द्र का उद्घाटन राज्यसभा सदस्य चौ. बीरेन्द्र सिंह ने किया। इस दौरान कुलपति प्रो. केपी सिंह भी उपस्थित रहे। जीवाणु खाद उत्पादन केन्द्र में किसानों के लिए विभिन्न प्रकार की जीवाणु खाद जैसे एजोटिका, राइजोटिका, फास्फोटिका एवं बॉयोटिका तैयार किए जाते हैं जो सभी फसलों के लिए अत्यंत लाभदायक हैं और फसल उत्पादन में 5-8 प्रतिशत तक वृद्धि करते हैं एवं मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढ़ाते हैं। जीवाणु खाद समय की मांग है इसलिए इनका उपयोग किसानों में दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इस मौके पर सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश गेरा एवं हेबिटेट जीनोम के डायरेक्टर सतीश कुमार सहरावत ने विभाग द्वारा तैयार किए गए सभी जीवाणु खादों के बारे में विस्तार से बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .....अमर उजाला.....
दिनांक 8.6.2019 पृष्ठ सं. ....6.... कॉलम ....6-8....

खेती में आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करें किसान : बीरेंद्र सिंह

किसान चेंबर ऑफ कॉमर्स ने आयोजित की बैठक, किसानों की समस्याओं पर मंथन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को किसान चेंबर ऑफ कॉमर्स के तत्वावधान में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में चौधरी बीरेंद्र सिंह, सदस्य राज्यसभा व पूर्व इस्पात मंत्री मुख्यातिथि के रूप में, रिटायर्ड जज प्रीतम पाल सिंह तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। इस बैठक में किसानों को उनके उत्पाद का सही दाम मिलने व किसानों की समस्याओं का समाधान हेतु विचार-विमर्श किया गया। इसमें किसान चेंबर ऑफ कॉमर्स व एसवाईएल हिमाचल निर्माण समिति के सदस्य मुख्य रूप से शामिल रहे।

इस अवसर पर बीरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान को परंपरागत खेती से बाहर निकलकर आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल से खेती करने की आवश्यकता है। किसानों ने उत्पाद को बढ़ाने में महारथ हासिल की है। मगर उसे सही तरीके से बाजार का ज्ञान न होने के कारण सही मूल्य प्राप्त नहीं हो रहा है। इसलिए किसानों को डिजिटल माध्यम से अपने उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त करना चाहिए।

योजनाओं को किसानों तक पहुंचाएं चेंबर ऑफ कॉमर्स : किसान चेंबर ऑफ कॉमर्स के पैटर्न व रिटायर्ड जज प्रीतम पाल ने कहा कि किसानों की सहायता के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे व इस दिशा में अगर कानूनी प्रावधानों को बदलना भी पड़े तो आवश्यक बदलाव किए जाएं। किसान चेंबर ऑफ कॉमर्स उन योजनाओं को किसानों तक पहुंचाएं। उन्होंने किसान चेंबर ऑफ कॉमर्स को मजबूती से काम करने का आह्वान किया।

हकृवि में बैठक को संबोधित करते मुख्य अतिथि बीरेंद्र सिंह व अन्य। - अमर उजाला

इन्क्यूबेशन सेंटर किसानों के हित के लिए प्रयासरत : विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा नव स्थापित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर किसानों के हित के लिए प्रयासरत है। इस अवसर पर किसान चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रेजीडेंट वीरेंद्र सिवाच, सचिव सुरेश देशवाल, कोषाध्यक्ष शमशेर सिंह, पूर्व एडीजी डॉ. जेसी डागर व जितेंद्र मोर आदि ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर एसवाइएल हिमाचल मार्ग समिति के अध्यक्ष एडवोकेट जितेंद्र नाथ ने डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की।

बीरेंद्र सिंह ने किया जीवाणु खाद उत्पादन केंद्र का उद्घाटन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हैबिटेट जीनोम इंप्रूवमेंट प्राइमरी प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड (किसान उत्पादन समूह) एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के जीवाणु खाद उत्पादन केन्द्र का उद्घाटन शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेन्द्र सिंह ने किया। जीवाणु खाद उत्पादन केन्द्र में किसानों के लिए विभिन्न प्रकार की जीवाणु खाद जैसे एजोटिका, राइजोटिका, फास्फोटिका एवं बायोटिका तैयार किए जाते है जो सभी फसलों के लिए अत्यंत लाभदायक है और फसल उत्पादन में 5-8 प्रतिशत तक वृद्धि करते है एवं मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढ़ाते है। जीवाणु खाद समय की मांग है इसलिए इनका उपयोग किसानों में दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इस मौके पर सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश गेरा एवं हेबिटेट जीनोम के डायरेक्टर सतीश कुमार सहरावत ने विभाग द्वारा तैयार किए गए सभी जीवाणु खादों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. केपी सिंह, रजिस्ट्रार, डॉ. बलदेव कंबोज सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .....दैनिक ट्रिब्यून.....
दिनांक 8.6.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 7-8

हकृवि में आयोजित बैठक में बोले बीरेंद्र

हिमाचल के रास्ते एसवाईएल का पानी लाने की योजना सही

हिसार में शुक्रवार को हकृवि में किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स की बैठक में शामिल पूर्व केन्द्रीय मंत्री बीरेन्द्र सिंह व अन्य। -निस

हिसार, 7 जून (निस)

पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने शुक्रवार को यहां एसवाईएल हिमाचल मार्ग समिति के सुझाव की सराहना करते हुए कहा कि भाखड़ा से हिमाचल के रास्ते हरियाणा में एसवाईएल का पानी लाकर दक्षिण हरियाणा की प्यास बुझाने की योजना सही है।

वे यहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स की बैठक में बोल रहे थे। इस दौरान रिटायर्ड जज प्रीतम पाल सिंह तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह भी उपस्थित रहे। बैठक में किसानों को उनके उत्पाद का सही दाम मिलने व किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए विचार किया गया। बैठक में किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स व एसवाईएल हिमाचल निर्माण समिति के सदस्य मुख्य रूप से शामिल रहे। बीरेन्द्र सिंह ने कहा कि किसान को परम्परागत खेती से बाहर निकलकर आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से खेती करने की जरूरत है। किसानों ने उत्पाद को बढ़ाने में महारथ हासिल की है, परन्तु उसे सही तरीके से बाजार का ज्ञान न होने के कारण सही मूल्य प्राप्त नहीं हो रहा है। इसलिए किसानों को खासतौर पर आजकल के युवाओं को जागरूक बनकर बाजार की बारीकियों को समझते हुए डिजिटल माध्यम से अपने उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त करना चाहिए।

उन्होंने हकृवि द्वारा नव स्थापित एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर की सराहना करते हुए कहा कि यह सेंटर किसानों के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स का आह्वान किया कि ऐसे सेंटर जिला स्तर पर खोले जिससे ज्यादा से ज्यादा किसानों को सुविधाएं प्राप्त हो सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .....हरि. भूमि, दैनिक जागरण

दिनांक 8.6.2019 पृष्ठ सं. 16, 18 कॉलम 1-2, 1-2

हकृवि में जीवाणु खाद उत्पादन केंद्र का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हकृवि द्वारा जन निजी सहभागिता के अंतर्गत हैबिटेट जीनोम इंप्रूवमेंट प्राइमरी प्रोड्यूशर कंपनी लिमिटेड किसान उत्पादन समूह एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के जीवाणु खाद उत्पादन केंद्र का उद्घाटन पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद चौधरी बीरेंद्र सिंह द्वारा हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में आज संपन्न हुआ।

जीवाणु खाद उत्पादन केंद्र में किसानों के लिए विभिन्न प्रकार की जीवाणु खाद जैसे एजोटिका, राइजोटिका, फास्फोटिका एवं बायोटिका तैयार किए जाते है। जो सभी फसलों के लिए अत्यंत लाभदायक है और फसल उत्पादन में 5-8 प्रतिशत तक वृद्धि करते है एवं मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढ़ाते है। जीवाणु खाद समय की मांग है इसलिए इनका उपयोग किसानों में दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इस मौके पर सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश गेरा एवं हेबिटेट जीनोम के डायरेक्टर सतीश कुमार सहरावत ने विभाग द्वारा तैयार किए गए सभी जीवाणु खादों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, विशेष कार्यकारी अधिकारी, अधिष्ठाता, निदेशक, मीडिया एडवाइजर व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

पांच से आठ फीसद उत्पादन बढ़ा देती है जीवाणु खाद

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा जन निजी सहभागिता के अंतर्गत हैबिटेट जीनोम इम्प्रूवमेंट प्राइमरी प्रोड्यूशर कंपनी लिमिटेड (किसान उत्पादन समूह) एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के जीवाणु खाद उत्पादन केंद्र का शुभारंभ चौधरी बीरेंद्र सिंह, राज्यसभा सदस्य एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह कुलपति उपस्थिति में किया। जीवाणु खाद उत्पादन केंद्र में किसानों के लिए विभिन्न प्रकार की जीवाणु खाद जैसे एजोटिका, राइजोटिका, फास्फोटिका एवं बायोटिका तैयार किए जाते हैं, जो सभी फसलों के लिए लाभदायक है और फसल उत्पादन में 5 से 8 फीसद तक वृद्धि करते है एवं मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढ़ाते है। इस मौके पर सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राजेश गेरा एवं हैबिटेट जीनोम के डायरेक्टर सतीश कुमार सहरावत ने विभाग द्वारा तैयार किए गए सभी जीवाणु खादों के बारे में विस्तार से बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....हरि. भूमि....
दिनांक 8.6.2019 पृष्ठ सं. 16 कॉलम 3-8

हकृवि में किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स की बैठक का आयोजन

किसान कृषि की आधुनिक तकनीक अपनाएं : बीरेंद्र सिंह

- बाजार की बारीकियों को समझते हुए डिजीटल माध्यम से अपने उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त करना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। बैठक को संबोधित करते मुख्य अतिथि व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हकृवि में किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स के तत्वाधान में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राज्यसभा सदस्य एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह बतौर मुख्यातिथि, रिटायर्ड जज प्रीतम पाल सिंह तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। इस बैठक में किसानों को उनके उत्पाद का सही दाम मिलने व किसानों की समस्याओं का समाधान के लिए विचार-विमर्श किया गया। इसमें किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स व एसवाईएल हिमाचल निर्माण समिति के सदस्य मुख्य रूप से शामिल रहे।

चौधरी बीरेंद्र सिंह, सदस्य राज्यसभा व पूर्व इस्पात मंत्री ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि किसान को परंपरागत खेती से बाहर निकलकर आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से खेती करने की आवश्यकता है। किसानों ने उत्पाद को बढ़ाने में महारथ हासिल की है परन्तु उसे सही तरीके से बाजार का ज्ञान न होने के कारण सही मूल्य प्राप्त नहीं हो रहा है। इसलिए किसानों को खासतौर पर आजकल के युवाओं को जागरूक बनकर बाजार की बारीकियों को समझते हुए डिजीटल माध्यम से अपने उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त करना चाहिए।

उसे कृषि तकनीकों का तो ज्ञान हो गया है परन्तु अपने उत्पादों का व्यापारीकरण सीखने की अति आवश्यकता है। उन्होंने हकृवि द्वारा नव स्थापित एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर की सराहना करते हुए कहा कि यह सेंटर किसानों के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स को आह्वान किया कि ऐसे सेंटर जिला स्तर पर खोले जाएं जिससे यादा से यादा किसानों को सुविधाएं प्राप्त हो सके।

किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स के पैटर्न व रिटायर्ड जज प्रीतमपाल ने अपने संबोधन ने कहा कि किसानों की सहायता के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे व इस दिशा में अगर कानूनी प्रावधानों को बदलना भी पड़े तो आवश्यक बदलाव किए जाएं। भारत सरकार द्वारा किसानों के हित में बहुत सारी योजनाओं लागू की गई है किसानों को इसका भरपूर फायदा उठाना चाहिए।

परन्तु किसानों को इन योजनाओं का पूरा ज्ञान न होने की वजह से वे लाभ से वंचित रह जाते है। किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स उन योजनाओं को किसानों तक पहुंचाएं ताकि किसान उन योजनाओं का पूरा लाभ उठा सके। उन्होंने किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स को मजबूती से काम करने का आह्वान किया ताकि यादा से यादा लोग उनसे जुड़कर योजनाओं का फायदा उठा सके।

हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा नवस्थापित एग्री बिजनेस इन्क्युबेशन सेंटर किसानों के हित के लिए प्रयासरत है। यहां पर एक ही छत के नीचे सारी सुविधाएं जैसे कि नवीन विचार आइडिया पर काम करने के लिए जगह, उसको क्रियावृत्त करने के लिए तकनीकी उपकरण व आर्थिक सहायता के लिए चार्टर्ड एकाउंटेंट का उचित मार्गदर्शन आदि सुविधाएं मुहैया करवाई जाएगी।

इस अवसर पर किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रेजीडेंट वीरेंद्र सिवाच, सचिव सुरेश देशवाल, कोषाध्यक्ष शमशेर सिंह, पूर्व एडीजी डॉ. जेसी डागर व जितेंद्र मोर तथा अन्य पदाधिकारियों ने अपने विचार रखें। इस मौके पर एसवाइएल हिमाचल मार्ग समिति के अध्यक्ष एडवोकेट जितेंद्र नाथ ने डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की। बैठक में डॉ. सीमा रानी ने विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों व विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तृत रूप से प्रस्तुति दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .....दैनिक जागरण.....
दिनांक 8.6.2019 पृष्ठ सं. ...20..... कॉलम ...1-6.....

मंथन

एसवाइएल हिमाचल मार्ग समिति ने दिया सुझाव, राज्यसभा सदस्य वीरेंद्र सिंह ने कहा-इस पर कार्यान्वयन की जरूरत

हिमाचल के रास्ते एसवाइएल लाकर बुझाई जा सकती है दक्षिण हरियाणा की प्यास

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शुक्रवार को किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स की तरफ से बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद राज्यसभा सदस्य एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह ने कहा कि एसवाइएल हिमाचल मार्ग समिति के सुझाव पर सरकार को कार्यान्वन की आवश्यकता है। भाखड़ा से हिमाचल के रास्ते हरियाणा में एसवाइएल का पानी लाकर दक्षिण हरियाणा की प्यास बुझाई जा सकती है। इससे पहले एसवाइएल हिमाचल मार्ग समिति के अध्यक्ष एडवोकेट जितेंद्र नाथ ने डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की। जिसमें भाखड़ा से हिमाचल के रास्ते हरियाणा में एसवाइएल का पानी लाने संबंधी जानकारी देते हुए हरियाणा के किसानों को उनके हिस्से का पानी दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी पूर्व की सरकारों ने कोई गंभीरता नहीं दिखाई। वर्तमान सरकारें इसके निर्माण कार्य को पूरा करने की पक्षधर दिखती है। रिटायर्ड जज प्रीतम पाल सिंह और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रेजीडेंट वीरेंद्र सिवाच, सचिव सुरेश देशवाल, कोषाध्यक्ष शमशेर सिंह, पूर्व एडीजी डा. जेसी डागर व जितेंद्र मोर, डा. सीमा रानी और अन्य पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे।

ऐसे लाया जा सकता है पानी : एसवाईएल पानी के लिए भाखड़ा बांध से हिमाचल के बद्दी से होते हुए पंचकूला के पास टांगरी नदी के माध्यम से जनसुई हेड तक पानी लाया जा सकता है। इससे आगे लगभग सभी नहरें पहले ही बनी हुई हैं। हिमाचल प्रदेश से हरियाणा बॉर्डर लगभग 67 किलोमीटर है, जबकि पंजाब से 156 किलोमीटर। यही नहीं, हिमाचल प्रदेश की अधिकांश जमीन पर जंगल और पहाड़ हैं या फिर बिरानी है। उन्होंने कहा कि ऐसे में पानी लाने में प्रदेश सरकार को अधिक खर्च नहीं करना होगा और प्रदेश के लोगों को उनका हक मिलेगा।

बैठक को संबोधित करते मुख्य अतिथि बीरेंद्र सिंह और अन्य। • जागरण

आइडिया के साथ इंक्यूबेशन सेंटर आए तो किसान बन सकता है बिजनेस मैन : कुलपति

एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित एग्री बिजनेस इन्क्युबेशन सेंटर किसानों के हित के लिए प्रयासरत है। यहां पर एक ही छत के नीचे सारी सुविधाएं जैसे कि नवीन विचार (आइडिया) पर काम करने के लिए जगह, उसके क्रियान्वयन करने के लिए तकनीकी उपकरण व आर्थिक सहायता के लिए चार्टर्ड एकाउंटेंट का उचित मार्गदर्शन आदि सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि कोई भी किसान यहां पर आकर एकल खिड़की प्रणाली द्वारा अपने विचार (आइडिया) को मूलरूप में ला सकता है और एक सफल उद्यमी बन सकता है। यह एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर किसानों द्वारा बनाए गए उत्पाद को बाजार में उचित मूल्य पर बेचने के लिए मार्गदर्शन करेगा।

खेती में तकनीक के प्रयोग की आवश्यकता : चौधरी बीरेंद्र सिंह

चौधरी बीरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान को परंपरागत खेती से बाहर निकलकर आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से खेती करने की आवश्यकता है। किसानों ने उत्पाद को बढ़ाने में महारथ हासिल की है। उसे सही तरीके से बाजार का ज्ञान न होने के कारण सही मूल्य प्राप्त नहीं हो रहा। इसलिए किसानों को खासतौर पर आजकल के युवाओं को बाजार की बारीकियों को समझते हुए डिजिटल माध्यम से अपने उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त करना चाहिए। उसे कृषि तकनीकों का तो ज्ञान हो गया है लेकिन अपने उत्पादों का व्यापारीकरण सीखने की अति आवश्यकता है। उन्होंने एचएयू में स्थापित एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर की भी सराहना की।

किसानों के हित में कानून बदलने पड़े तो बदले जाएं : रिटायर्ड जज

किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स के पैटर्न और रिटायर्ड जज प्रीतमपाल ने कहा कि किसानों की सहायता के लिए अगर कानूनी प्रावधानों को बदलना भी पड़े तो आवश्यक बदलाव किए जाएं। भारत सरकार द्वारा किसानों के हित में बहुत सारी योजनाओं लागू की गई है किसानों को इसका भरपूर फायदा उठाना चाहिए। किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स उन योजनाओं को किसानों तक पहुंचाएं, ताकि किसान उन योजनाओं का पूरा लाभ उठा सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .....पंजाब केसरी.....
दिनांक 8.6.2019 पृष्ठ सं. ....3.... कॉलम ....4-8....

ज्ञान के अभाव में किसानों को नहीं मिल रहा फसलों का उचित मूल्य : बीरेन्द्र सिंह

किसान परम्परागत तरीका छोड़ आधुनिक तकनीक से करें खेती

हिसार, 7 जून (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के तत्वावधान में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पूर्व केन्द्रीय मंत्री बीरेन्द्र सिंह मुख्यातिथि के रूप में, रिटायर्ड जज प्रीतम पाल सिंह तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। इस बैठक में किसानों को उनके उत्पाद का सही दाम मिलने व किसानों की समस्याओं का समाधान हेतु विचार-विमर्श किया गया। इसमें किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स व एस.वाई.एल. हिमाचल निर्माण समिति के सदस्य मुख्य रूप से शामिल रहे।

बैठक को संबोधित करते मुख्यातिथि व अन्य।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री बीरेन्द्र सिंह ने बैठक में कहा कि किसान को परम्परागत खेती से बाहर निकलकर आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से खेती करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसानों को सही तरीके से बाजार का ज्ञान न होने के कारण सही मूल्य प्राप्त नहीं हो रहा है। इसलिए किसानों को खासतौर पर आजकल के युवाओं को जागरूक बनकर बाजार की बारीकियों को समझते हुए डिजीटल माध्यम से अपने उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त करना चाहिए।

उन्होंने किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स से आह्वान किया कि ऐसे सैंटर जिला स्तर पर खोले जाएं। उन्होंने एस.वाई.एल. हिमाचल मार्ग समिति के सुझाव की सराहना करते हुए कहा कि यह भाखड़ा से हिमाचल के रास्ते हरियाणा में एस.वाई.एल. का पानी लाकर दक्षिण हरियाणा की प्यास बुझाने में सक्षम हो सकता है।

किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के पैटर्न व रिटायर्ड जज प्रीतमपाल ने कहा कि किसानों की सहायता के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे व इस दिशा में अगर कानूनी प्रावधानों को बदलना भी पड़े तो आवश्यक बदलाव किए जाएं। कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा नवस्थापित एग्री बिजनैस इंक्युबेशन सैंटर किसानों के हित के लिए प्रयासरत है। इस अवसर पर किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रैजीडैंट वीरेन्द्र सिवाच, सचिव सुरेश देशवाल, कोषाध्यक्ष शमशेर सिंह, पूर्व ए.डी.जी. डा. जे.सी. डागर व जितेन्द्र मोर तथा अन्य पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे। इस मौके पर एस.वाई.एल. हिमाचल मार्ग समिति के अध्यक्ष एडवोकेट जितेन्द्र नाथ ने डॉक्यूमैंट्री प्रस्तुत की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, विशेष कार्यकारी अधिकारी, अधिष्ठाता, निदेशक व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .....सिटी पल्स.....

दिनांक ...7.6.2019... पृष्ठ सं. ...3... कॉलम ...1-6...

बैठक हकृवि में आयोजित बैठक में किसानों को उनके उत्पाद का सही दाम मिलने व किसानों की समस्याओं पर किया विचार-विमर्श

युवाओं को जागरूक बनकर बाजार की बारीकियों को समझते हुए अपने उत्पादों का व्यापारीकरण सीखना जरूरी : बिरेंद्र सिंह

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स के तत्वावधान में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में किसानों को उनके उत्पाद का सही दाम मिलने व किसानों की समस्याओं का समाधान के लिए विचार-विमर्श किया गया। इसमें किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स व एसवीएल हिसार्क निर्माण समिति के सदस्य मुख्य रूप से शामिल रहे।

बीरेन्द्र सिंह, सदस्य राज्यसभा व पूर्व इस्पात मंत्री ने कहा कि किसान को पर परागत खेती से बाहर निकलकर आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से खेती करने की आवश्यकता है। किसानों ने उत्पाद को बढ़ाने में महारत हासिल की है परन्तु उसे सही तरीके से बाजार का ज्ञान न होने के कारण सही मूल्य प्राप्त नहीं हो रहा है। इसलिए किसानों को सहकार पर आजकल के युवाओं को जानकर बाजार की बारीकियों को समझते हुए डिजिटल माध्यम से अपने उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त करना चाहिए। उसे कृषि तकनीकों का तो ज्ञान हो गया है परन्तु अपने उत्पादों का व्यापारीकरण सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने हकृवि द्वारा नव स्थापित एवं बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर की सराहना करते हुए कहा कि यह सेंटर किसानों के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स को आह्वान किया कि ऐसे सेंटर जिला स्तर पर खोले जाएं जिससे ज्यादा से ज्यादा किसानों को सुविधाएं प्राप्त हो सके।

उन्होंने कहा कि यह चैंबर सिलसिले को तार्क पर मजबूती से कार्य करे ताकि किसान की आवाज को सही मंच पर उठाया जा सके। यह चैंबर किसानों के उत्थान के लिए निरंतर करे ताकि दूसरे प्रदेश भी इससे प्रेरणा ले सके। उन्होंने एसवीएल हिसार्क मार्ग समिति के सुझाव की सराहना करते हुए कहा कि यह भाखड़ा से हिसार्क के रास्ते हरियाणा में एसवीएल का पानी लाकर डीसल हरियाणा की प्यास बुझाने में सक्षम हो सकता है।

किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स के पैटरन व सिटीजर जज प्रीतमचंद ने अपने संबोधन में कहा कि किसानों की सहायता के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे व इस दिशा में अगर कानूनी प्रावधानों की बदलाव भी पड़े तो आवश्यक बदलाव किए जाएं। भारत सरकार द्वारा किसानों के हित में बहुत सारी योजनाओं लागू की गई है किसानों को इसका भरपूर लाभ उठाना चाहिए। परन्तु किसानों को इन योजनाओं का पूरा ज्ञान न होने की वजह से वे लाभ से वंचित रह जाते है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा नवस्थापित एवं बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर किसानों के हित के लिए प्रयासरत है। यहां पर एक ही छत के नीचे सारी सुविधाएं जैसे कि मार्केट विचार (आइडिया) पर काम करने के लिए जगह, उसको क्रियान्वित करने के लिए तकनीकी उपकरण व आर्थिक सहायता के लिए स्टार्टर एक्सटेंट का उचित मार्गदर्शन आदि सुविधाएं मुहैय्या करवाई जाएंगी।

उन्होंने कहा कि कोई भी किसान यहां पर आकर एकल खिड़की प्रणाली द्वारा अपने विचार (आइडिया) को मूर्तरूप में ला सकता है और एक सफल उद्यमी बन सकता है। यह एवं बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर किसानों द्वारा बनाए गए उत्पाद को बाजार में उचित मूल्य पर बेचने के लिए मार्गदर्शन करेगा। यह सेंटर उद्यमियों/उद्योगों से संबंध विकसित करेगा और उत्पाद प्रसंस्करण एवं उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार हेतु अनुसंधान एवं विकास के लिए मंच प्रदान करने के साथ तुलनात्मक सुविधाएं और तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करेगा। इसके अलावा कृषि प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण और स्टार्टअप कंपनियों के बिजनेस की स्थापना के लिए मार्गदर्शन करना व कार्य की सफलता और विफलता के लिए परामर्श, प्रशिक्षण, व्यवसाय सलाहकार सेवाएं प्रदान करना इस केन्द्र के मु य कार्य होंगे। उन्होंने कहा कि इस सेंटर की सहायता से राज्य के कई उभरते उद्यमियों को फायदा होगा और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। इससे स्टार्टअप कल्चर को प्रोत्साहन मिलेगा।

इस अवसर पर किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रेजीडेंट वीरेन्द्र सिवाच, सचिव सुरेश देशवाल, कोषाध्यक्ष रामवीर सिंह, पूर्व एसीजी डॉ. जे.बी. डागर व जितेन्द्र गोर तथा अन्य पदाधिकारियों ने अपने विचार रखें। इस मौके पर एसवीएल हिसार्क मार्ग समिति के अध्यक्ष एडवोकेट जितेन्द्र नाथ ने डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की। बैठक में डॉ. सीमा एवं ने विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों व विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तृत रूप से प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, वित्तीय कार्यकारी अधिकारी, अधिशासी, निदेशक व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हिसार। बैठक को संबोधित करते मुख्य अतिथि व अन्य।

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के जीवाणु खाद उत्पादन केन्द्र का उद्घाटन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा गत दिनों सहकारिता के अंतर्गत हेरिटेट गौशाला इन्फ्रा प्राइवेट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (किसान उत्पादन समूह) एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के जीवाणु खाद उत्पादन केन्द्र का उद्घाटन वीसी बीरेन्द्र सिंह, सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री के करकमलों द्वारा प्रो. केपी सिंह, कुलपति वीसी एचएयू तथा सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की महिलाओं उपस्थिति में आज संपन्न हुआ। जीवाणु खाद उत्पादन केन्द्र से किसानों के लिए विभिन्न प्रकार की जीवाणु खाद जैसे एजोटोबैक्टर, सहजोटोबैक्टर, फास्फोटोबैक्टर एवं बायोटोबैक्टर तैयार किए जाते है जो सभी फसलों के लिए अत्यंत लाभकारी है और फसल उत्पादन में 5-8 प्रतिशत तक वृद्धि करते है एवं मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाते है। जीवाणु खाद सस्ता भी साथ ही इसलिए इसका उपयोग किसानों को दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इस मौके पर सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सतीश गोयल एवं हेरिटेट गौशाला के प्रमोटर सतीश कुमार सरदाना ने विभाग द्वारा तैयार किए गए सभी जीवाणु खादों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, वित्तीय कार्यकारी अधिकारी, अधिशासी, निदेशक, वैज्ञानिक व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .....दैनिक भास्कर.....

दिनांक ..8..6..2019 पृष्ठ सं. ....2..... कॉलम .....3-4.....

महाराणा प्रताप का मुगलों के विरुद्ध संघर्ष और चेतक के किस्से सुनाए

एचएयू में महिला छात्रावास में महाराणा प्रताप की जयंती पर संगोष्ठी में अपने विचार रखते एनएसएस इंचार्ज डॉ. भगत सिंह।

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास में महाराणा प्रताप की जयंती पर गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें महाराणा प्रताप के जीवन संघर्षों के बारे बताया गया। छात्र कल्याण विभाग में सह-निदेशिका के पद पर कार्यरत डॉ. मंजू महता ने महाराणा प्रताप के जीवन से संबंधित कुछ अनुछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। एनएसएस इंचार्ज डॉ. भगत सिंह ने मुगलों के विरुद्ध संघर्ष का वर्णन किया कि कैसे सैन्य लिहाज से कमजोर होने के बाद भी सिर नहीं झुकाया। जितने किस्से उनके मशहूर हैं उतने ही उनके घोड़े चेतक के। नर्मदा छात्रावास की वार्डन डॉ. उर्वशी, कनिका आदि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .....पंजाब केसरी.....

दिनांक 8.6.2019 पृष्ठ सं. ...2... कॉलम ...3...

महाराणा प्रताप जयंती पर संगोष्ठी आयोजित

हिसार, 7 जून (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास में महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें महाराणा प्रताप के जीवन संघर्षों बारे बताया गया। छात्र कल्याण विभाग में सह-निदेशिका के पद पर कार्यरत डा. मंजू मेहता ने महाराणा प्रताप के जीवन से संबंधित कुछ अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जिसमें छात्राओं ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .....सिटी पल्स.....

दिनांक 7.6.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 1-5

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास में महाराणा प्रताप की जयंति पर संगोष्ठी आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास में महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें महाराणा प्रताप के जीवन संघर्षों बारे बताया गया। छात्र कल्याण विभाग में सह-निदेशिका के पद पर कार्यरत डॉ. मंजू महता ने महाराणा प्रताप के जीवन से संबंधित कुछ अनुछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एक प्रश्नोतरी का आयोजन किया जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

हिसार। संगोष्ठी में अपने विचार रखते एनएसएस इंचार्ज डॉ. भगत सिंह।

एनएसएस इंचार्ज डॉ. भगत सिंह ने महाराणा प्रताप के मुगलों के विरूद्ध संघर्ष का वर्णन किया कि कैसे सैन्य लिहाज से कमजोर होने के बाद भी सिर नहीं झुकाया। जितने किस्से उनके मशहूर है उतने ही उनके घोड़े चेतक के। यहां तक कहा जाता है कि मेवाड़ में लोग सुबह-सुबह उठकर देवी देवता को नहीं महाराणा प्रताप को याद करते है।

नर्मदा छात्रावास की वार्डन डॉ. उर्वशी ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच का संचालन कनिका ने किया। इस कार्यक्रम का आयेजन महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सौजन्य से हुआ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .....नित्य शीतल टाइम्स.....

दिनांक ...7.....6.....2019 पृष्ठ सं. ....3..... कॉलम ...1-4.....

महाराणा प्रताप की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

हिसार, 7 जून (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास में महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें महाराणा प्रताप के जीवन संघर्षों बारे बताया गया।

छात्र कल्याण विभाग में सह-निदेशिका के पद पर कार्यरत डॉ. मंजू महता ने महाराणा प्रताप के जीवन से संबंधित कुछ अनुछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। एनएसएस इंचार्ज डॉ. भगत सिंह ने महाराणा प्रताप के मुगलों के विरूद्ध संघर्ष का

वर्णन किया कि कैसे सैन्य लिहाज से कमजोर होने के बाद भी सिर नहीं झुकाया। जितने किस्से उनके मशहूर है उतने ही उनके घोड़े चेतक के। यहां तक कहा जाता है कि मेवाड़ में लोग सुबह-सुबह उठकर देवी देवता को नहीं महाराणा प्रताप को याद करते है। नर्मदा छात्रावास की वार्डन डॉ. उर्वशी ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच का संचालन कनिका ने किया। इस कार्यक्रम का आयोजन महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सौजन्य से हुआ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .....पाठक पक्ष.....

दिनांक 7.6.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 4-6

ग्रीन हाउस गैसिज का उत्सर्जन अपने चरम पर-केपी सिंह

हिसार, 7 जून (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के समीप पीपल का पौधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कुलपति ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस विशेष रूप से पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर जागरूक करने एवं इससे जुड़ी समस्याओं का हल निकालने के लिए मनाया जाता है। पर्यावरण दिवस का मुख्य उद्देश्य पृथ्वी पर पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना है ताकि सभी को स्वच्छ वातावरण मिल सके। इस बार यह दिवस वाय प्रदूषण को कम करने की थीम पर मनाया जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों व विद्यार्थियों से अनुरोध किया कि वे वायु प्रदूषण को कम करने के लिए अपना अधिक से अधिक योगदान दें। आज शुद्ध हवा में सांस लेना हम सबके लिए चुनौती बनता जा रहा है जिसे हम सभी को मिलकर खत्म करना है। बढ़ती जनसंख्या व औद्योगिकरण की वजह से ग्रीन हाउस गैसिज का उत्सर्जन अपने चरम पर है जिससे ग्लोबल वार्मिंग का दुष्प्रभाव भी बढ़ता जा रहा है। इससे बचने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की आवश्यकता है। इसी कड़ी में आज विश्व पर्यावरण दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर में पौधे रोपित करने की शुरूआत की गई तथा निकट भविष्य में भी हजारों की संख्या में पौधे रोपित किए जाएंगे। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि केवल पौधा लगाना ही काफी नहीं, इनकी बढ़वार तक देखभाल करना अत्यन्त आवश्यक है। प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय जल-संरक्षण के लिए प्रयासरत है। पानी की बचत करने के लिए विश्वविद्यालय ने व्यापक स्तर पर विभिन्न फसलों, फलदार पौधों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के पार्कों में सुक्ष्म सिंचाई का प्रावधान किया गया है। पर्यावरण हित में विश्वविद्यालय द्वारा इन प्रयासों को भविष्य में भी बढ़ावा दिया जायेगा। पौधा रोपण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की लैंडस्केप यूनिट एवं छात्र कल्याण निदेशालय का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर एवं अधिकारियों ने भी पौधे रोपित किए।